झिंगुर भी करते हैं परागण

झिंगुरों को सामान्यतया पौधों को नष्ट करने वाला जीव माना जाता है। ऐसे में जब खोजकर्ताओं ने एक झिंगुर को एक ऑर्किड के परागण में मदद करते पाया तो वे आश्चर्यचकित रह गए। यह नज़ारा मैडागास्कर के समीप स्थित रियूनियन द्वीप में देखा गया। हाल ही में एक वीडियो रिलीज़ किया गया है जिसमें झिंगुरों को पहली बार किसी फूल का परागण करते दिखाया गया है।

यह वीडियो एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीटच्यूट (सीईआरएडी) और ला रियूनियन विश्वविद्यालय के क्लेयर मिकेनो एवं जैक्स फॉरनेल ने 2008 में बनाया था। शोधकर्ता यह जानने का प्रयास कर रहे थे कि आखिर इस दुर्लभ ऑर्किड, *एंग्रेईकम केडेटी* के परागण के लिए कौन ज़िम्मेदार है। इसे देखने के लिए उन्होंने फूल पर फोकस करके नाइट-विज़न कैमरा लगा दिया।

मैडागास्कर में पाए जाने वाले ऑर्किड *एंग्रेईकम* का परागण करने वाला कीट तो एक शलभ है जो रीयूनियन द्वीप में नहीं पाया जाता। मगर यहां भी ऑर्किड का परागण तो होता ही होगा। कैमरे में कैद वीडियो में देखा गया कि एक अनजान प्रजाति का झिंगुर एक फूल से मकरंद चूस रहा है। दूसरे फूल की ओर बढ़ने से पहले ही उसके सिर

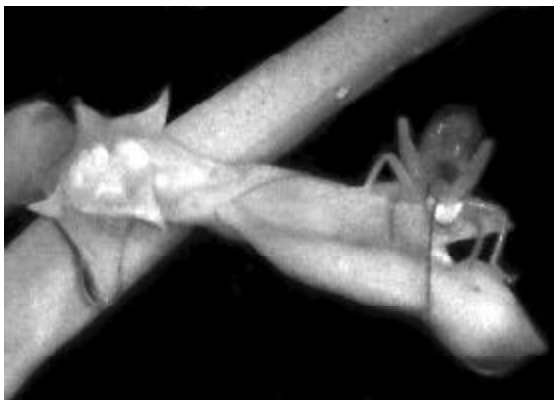

पर परागकणों का एक ढेर चिपक जाता है।

मिकेनो के अनुसार अध्ययन से पता चलता है कि यह विचित्र झिंगुर आश्चर्यजनक रूप से कुशल परागणकर्ता है। पक्षियों द्वारा परागित अन्य नज़दीकी प्रजातियों की तुलना में *एंग्रेईकम केडेटी* में परागण बेहतर होता है और फल भी ज़्यादा लगते हैं। गौरतलब है कि फल लगने के लिए परागण ज़रूरी है। यह पहली बार है कि किसी झिंगुर को परागण करते देखा गया है और यह झिंगुर की एक नई प्रजाति भी है। ***(स्रोत फीचर्स)***